(ख) केवल एक बिजली परियोजना – रिहंद एस टी पी चरण-II पर इस समय विचार किया जा रहा है ।

(ग) एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

उत्तर प्रदेश की नामंजूर ताप बिजली परियोजनाएं :–

1. एन टी पी सी का रिहंद एस टी पी पी— चरण-II 2×500 मेगावाट (सूचना न भेजे जाने के कारण पहले नामंजूर । चूंकि अब सूचना प्राप्त हो गई है, इस पर विचार किया जा रहा है।)

2. उ. प्र. रा. बि. बो. की बेलखेरा रोड ताप विद्युत स्टेशन 3×210 मेगावाट ।

उत्तर प्रदेश की नामंजूर पन-विद्युत परियोजनाएं :

1. किशाऊ बांध परियोजना, 600 मेगावाट

2. यमुना पन विद्युत परियोजना— चरण-II (भाग-II)-खोडरी पी एच 4×28=112 मेगावाट

3. पाला मनेरी पन विद्युत स्कीम, 416 मेगावाट

4. लोहारीनाग पाला हाइडल स्कीम, 3× 94=282 मेगावाट, क्षमता 520 मेगावाट

5. चीरा मिनी हाइडल स्कीम, 3×1 =मेगावाट

6. रापती कैनाल मिनि हाइडल स्कीम 5×3.6=18 मेगावाट

7. विष्णु प्रयाग पन विद्युत परियोजना (संशोधित) 4×120=480 मेगावाट

8. कोटलीभोल बांध सिंचाई परियोजना, 4×250=1000 मेगावाट

9. सेराघाट मिनि हाइडल स्कीम, 2× 25=0.50 मेगावाट

10. अगलर मिनि हाइडल स्कीम, 3× 05=1.5 मेगावाट

11. मंडल मिनि हाइडल स्कीम, 3× 04=1.2 मेगावाट

12. तपोवन विष्णुगढ़ हाइडल स्कीम, 3× 120=360 मेगावाट

13. पिलंगड मिनि हाइडल, स्कीम 3×1= 3 मेगावाट

14. कोटेश्वर बांध हाइडल परियोजना 4×100=400 मेगावाट

15. तिवनी पलास हाइडल, स्कीम 3× 16.67=50 मेगावाट

16. ववाला नोद प्रयोग पन-विद्युत परियोजन

उक्त सभी परियोजनाएं अपेक्षित आंकड़े योजनाएं न भेजे जाने के कारण नामंजूर कर दी गई हैं और परियोजना प्रस्तावों द्वारा अपेक्षित आंकड़े परियोजनाएं भेज देने पर इन प पुनः विचार किया जायेगा ।

घातक रोगों से बच्चों की मृत्यु

*56. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्र यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानका है कि दिल्ली की झुग्गी-झोंपड़ी कालोनियों पैदा होने वाले प्रत्येक एक हजार बच्चों में सौ बच्चों की अपना प्रथम वर्ष पूरा करने पहले मौत हो जाती है ;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बच्चों की ऐसी मौतों के मु कारण कुपोषण, गन्दगी और स्वच्छ पेय जल अभाव के कारण होने वाली आंत्रशोथ जै घातक बीमारियां हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने स्थि में सुधार करने के लिए कोई ठोस कार्यत्र बनाया है; और

(घ) यदि हां, तो उस कार्यक्रम का ब्यौ क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री एम० एल० फोतेदार) : (क) से (घ) भारत के महापंजीयक की नमूना पंजीकरण प्रणाली से दिल्ली को शहरीगंदी बस्तियों की शिशु मृत्युदर के पृथक अनुमान उपलब्ध नहीं होते हैं। तथापि सितम्बर, 1991 में दिल्ली की 150 झुग्गी-झोंपड़ी समूहों में जिसमें 22000 परिवारों के नमूने शामिल है मौलाना आजाद मेडिकल कालेज द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया था जिससे यह निष्कर्ष निकला कि इन झुग्गी झोंपड़े समूहों की शिशु मृत्यु दर प्रति एक हजार जीवित जन्मों पर 100 थी। अध्ययन से यह भी निष्कर्ष निकला कि इन क्षेत्रों में शिशु तथा 5 वर्ष से कम आयु के शिशुओं, दोनों की मृत्यु दर में कमी होने का प्रमाण है।

ऊपर उल्लिखित सर्वेक्षण से विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मौत के कारणों को अलग-अलग रूप में नहीं बताया गया है। तथापि, जहां तक अस्पतालों में शिशु मौतों का संबंध है, दिल्ली झुग्गी-झोपड़ी समूहों से वर्ष 1990 में आंत्रशोथ के कारण हुई केवल 5 मौतें तथ, *1991 में ऐसी केवल एक मौत सूचित की गई थी।*

दिल्ली प्रशासन के अनुसार दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ी समूहों में शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए आरंभ की गई प्रमुख पहलों में शामिल हैं :--

(i) अतिसार के कारण होने वाले निर्जलीकरण की रोकथाम करने के लिए जीवन रक्षक घोल पैकेटों की व्यवस्था करके अतिसारीय रोगों (आंत्रशोथ) का नियंत्रण स्वच्छ पेय जल की सप्लाई को बढ़ाना, पर्यावरणिक स्वच्छता में सुधार लाने हेतु सुलभ शौचालयों का निर्माण करना, गलियों की नियमित सफाई और नालियों तथा कूड़ेदानों का निर्माण एवं क्लोरीन की गोलियों का वितरण।

(ii) गश्ती स्वास्थ्य स्कीम, के जरिए गर्भवती महिलाओं को उपयुक्त प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर परिचर्या सुनिश्चित करके परिवार कल्याण तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य की व्यवस्था करना, सभी गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों का रोग-प्रतिरक्षण, गर्भवती महिलाओं को आयरन तथा फालिक एसिड की गोलियां का वितरण एवं बच्चों को विटामिन "ए" की गोलियों का वितरण।

इसके अलावा, स्वास्थ्य शिक्षा का प्रचार-प्रसार जन प्रचार के माध्यमों, पारस्परिक बैठकों, शहरी बुनियादी सेवाओं, एकीकृत बाल विकास सेवाओं के कार्यकर्ताओं और चल स्वास्थ्य क्लिनिकों के माध्यम से किया जाता है।

Pleasures to Prevent Spread of Diseases In M.P.

*57. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that with the on-set of summer season, many parts of Madhya Pradesh, particularly the Tribal areas are affected by diseases like Meningitis, gastro-enteritis, cholera, cerebral malaria in epidemic forms:

(b) whether Government have taken any precautionary measures to prevent these diseases in Madhya Pradesh"; and

(c) if so, what are details thereof ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI M. L. FOTE-' DAR) : (a): Yes, Sir.

(b) and (c) The State Government have reported that to prevent these diseases in Madhya Pradesh, regular monitoring of the epidemic situation is done every month at the level of Chief Secretary.